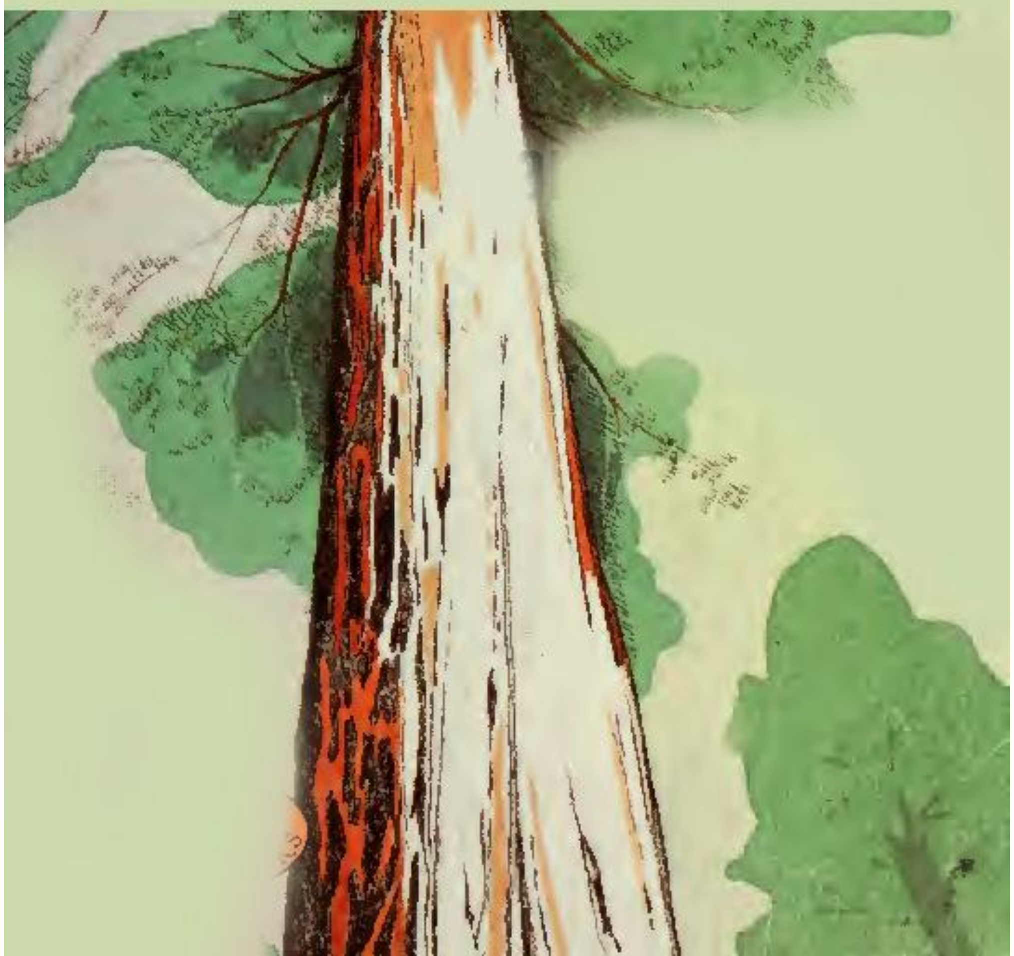
सबसे बड़ा प्राणी

कैरोलिन अर्नोल्ड
हिंदी: इंदुजी



सबसे बड़ा प्राणी

कैरोलिन अर्नोल्ड
हिंदी: इंदुजी





विशाल सिकोया के पेड़

Giant Sequoia Trees





प्रश्न: कौन सा पेड़
स्टैचू ऑफ लिबर्टी से भी बड़ा है?
एक बड़े समुद्री जहाज़ से भी अधिक भारी है?
सब प्राणियों से बड़ा है?



उत्तर:

एक विशाल सिकोया पेड़.

कैलिफोर्निया के सियारा नवादा पहाड़ों में

विशाल सिकोया पेड़ पाए जाते हैं.

अधिकांश विशाल सिकोया पेड़

किंग्स कैनियन में स्थित सिकोया और

युस्हमटि नेशनल पार्क में हैं.

सबसे बड़ा सिकोया पेड़

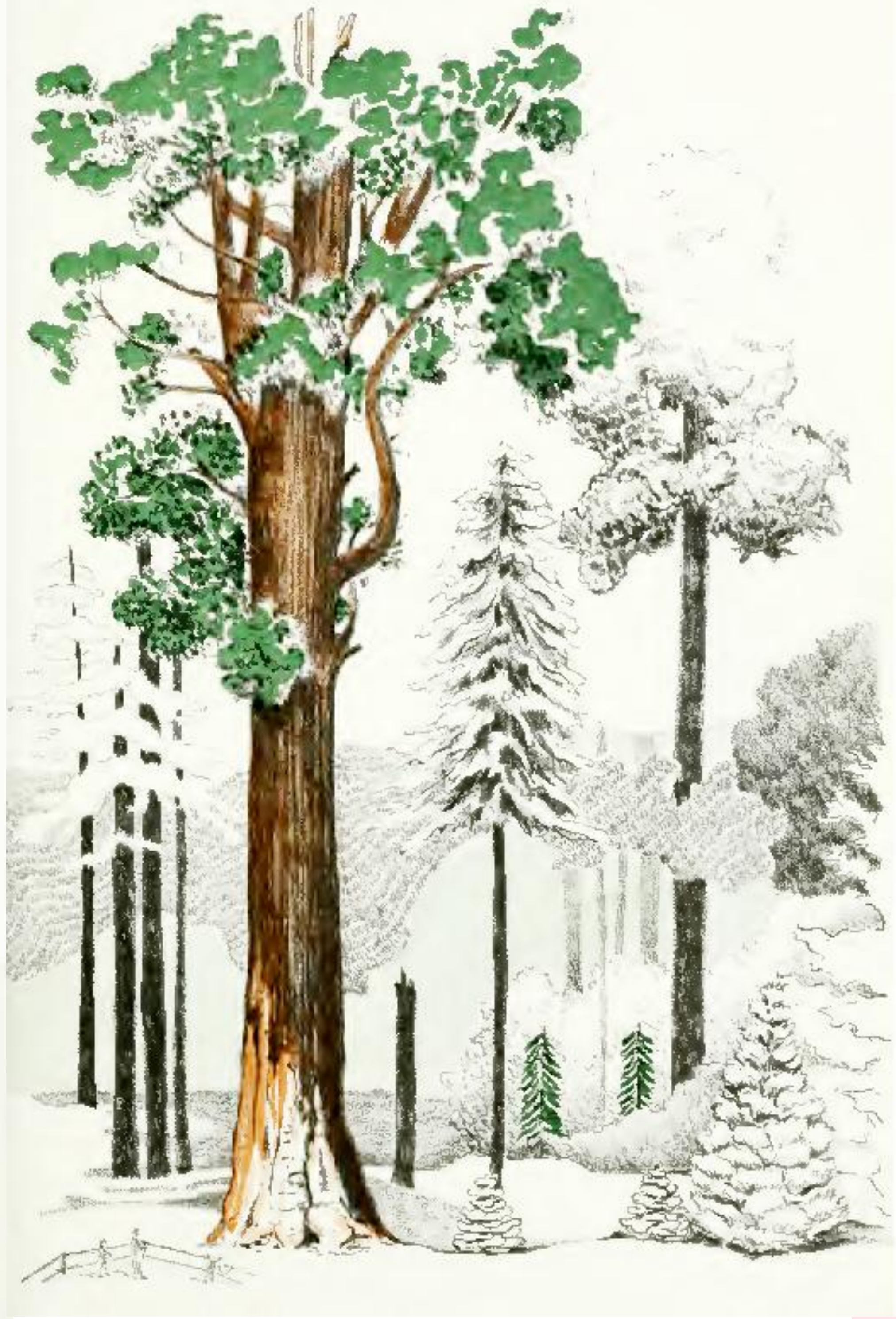
सिकोया नेशनल पार्क में है.

इसका नाम जनरल शर्मन पेड़ है.

यह 272 फुट ऊँचा है

और इसका वज़न लगभग 6000 टन है.



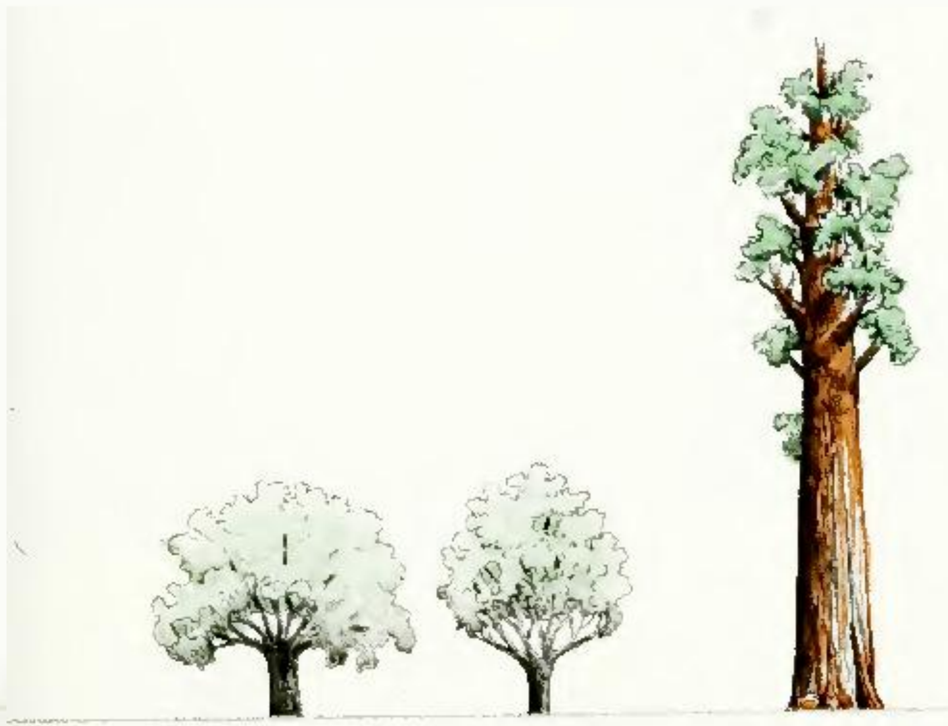


कुछ पेड़ विशाल सिकोया पेड़ों से
अधिक ऊँचे हो सकते हैं.
डग्लस देवदार, युक्लिप्टस और रैडवुड पेड़
300 फुट से भी अधिक ऊँचे हो सकते हैं.

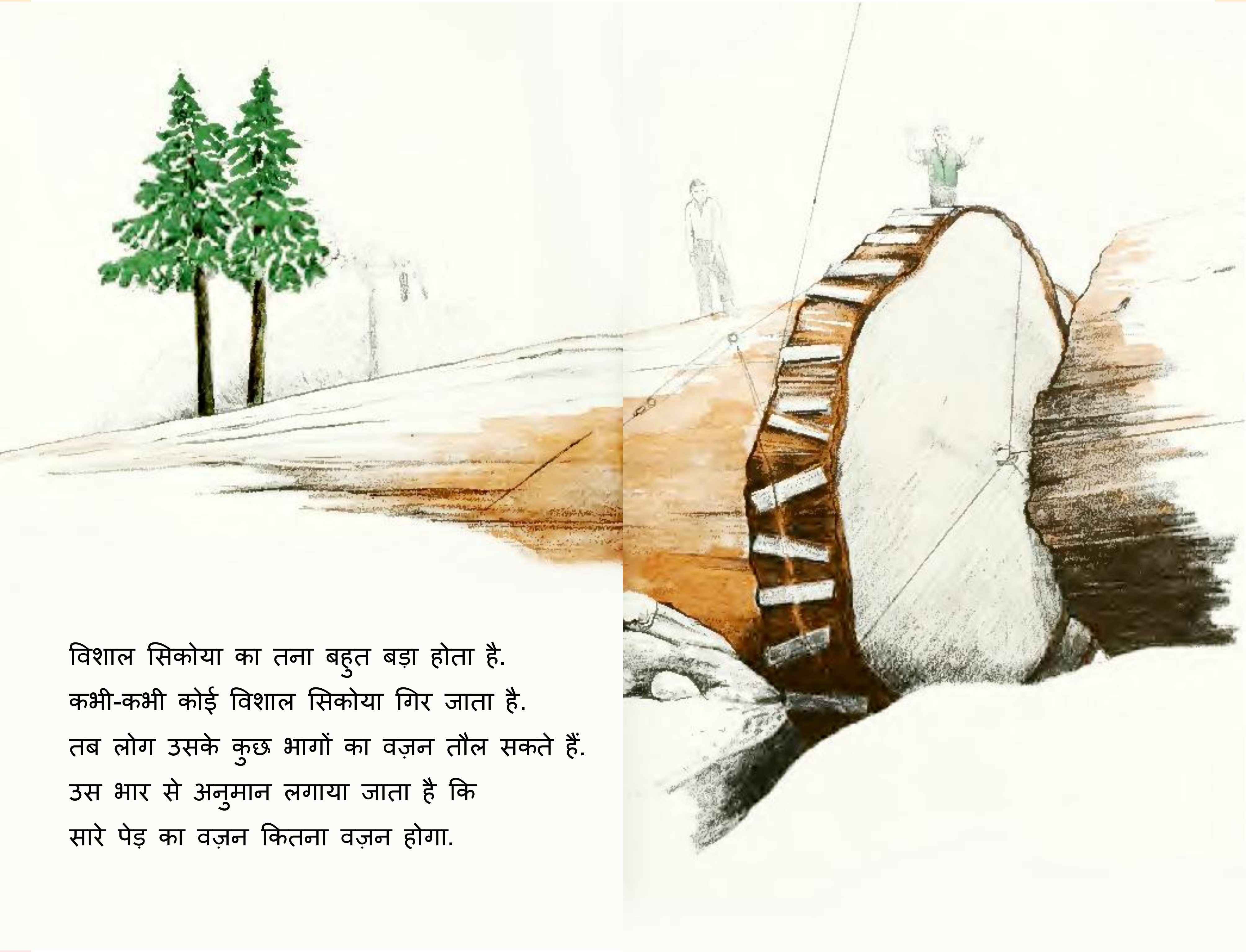


Redwood — रेड्वुड
Douglas Fir — डगलस फ़र
Eucalyptus — यूकलिप्टस

लेकिन अधिकांश पेड़ बहुत छोटे होते हैं.
ओक और मेपल के पेड़
100 फुट से कम ऊँचे होते हैं.
लेकिन कोई भी पेड़ विशाल सिकोया
समान भारी नहीं होता.



Oak — ओक
Maple — मेपल
Giant Sequoia — जाइअन्ट सिकोया



विशाल सिकोया का तना बहुत बड़ा होता है.

कभी-कभी कोई विशाल सिकोया गिर जाता है.

तब लोग उसके कुछ भागों का वज़न तौल सकते हैं.

उस भार से अनुमान लगाया जाता है कि

सारे पेड़ का वज़न कितना वज़न होगा.

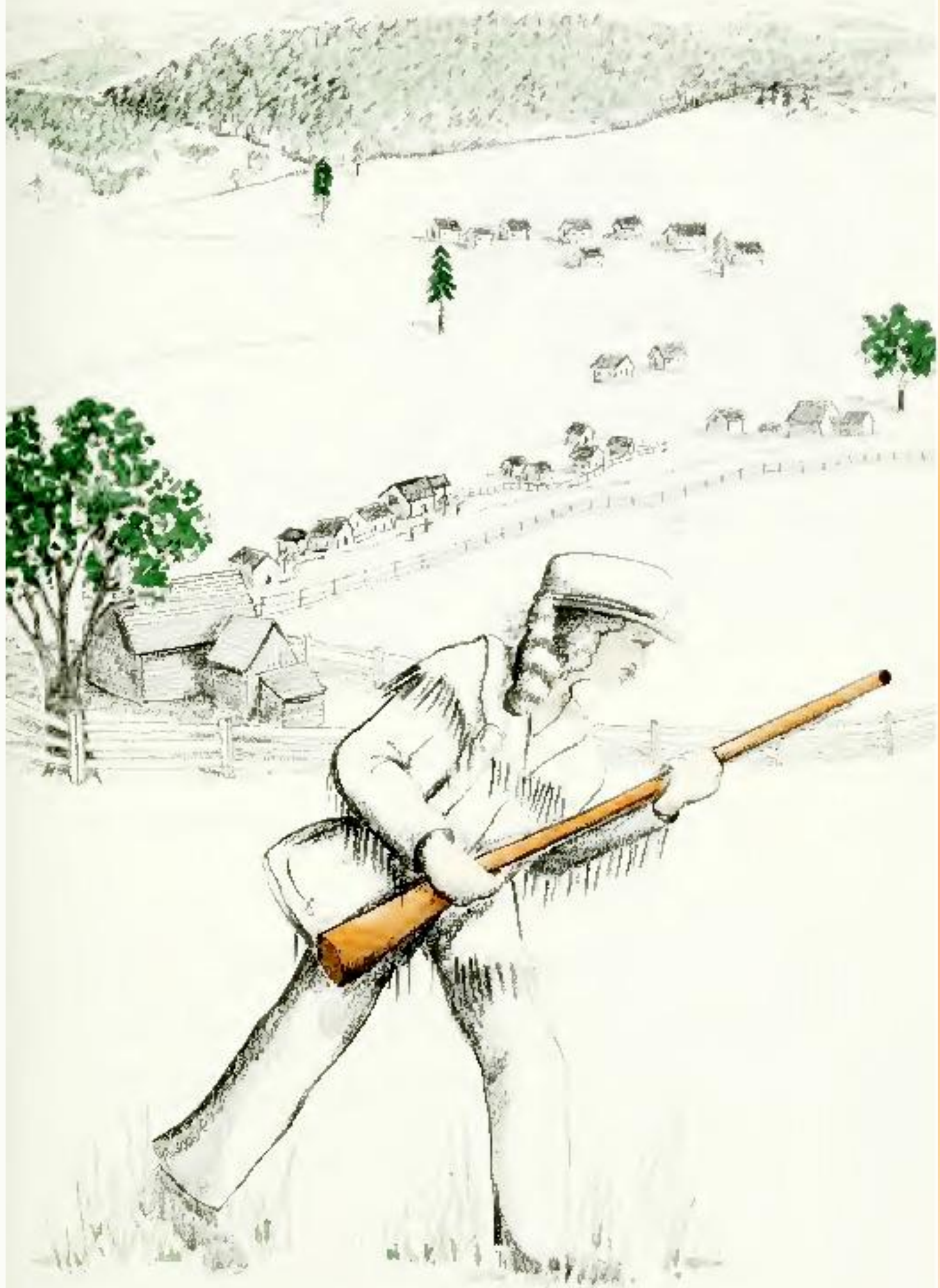


लंबे समय तक लोगों को विशाल सिकोया के
पेड़ों के बारे में कोई जानकारी न थी.
फिर 1848 में कैलिफोर्निया में
सोने की खोज हुई.
सब जगह से लोग सोने की तलाश में
वहाँ आ गए.
कुछ चल कर आए. कुछ घोड़ों पर सवार होकर,
और कुछ घोड़ा-गाड़ियों में.
वह सोने के खनिक बन गए.





यह लोग सियारा नवादा के पहाड़ों में
कैंप्स में रहते थे.
एक कैंप का नाम मर्फी का कैंप था.
1852 में अगस्टस टी दाउद नाम का एक आदमी
इस कैंप में काम करता था.
वह एक शिकारी था.
शिकार की तलाश में वह हर दिन
जंगल के अंदर जाया करता था.
एक दिन उसने एक आश्चर्यजनक खोज की.
उसने एक विशाल सिकोया का पेड़ देखा.
पेड़ इतना ऊँचा था कि जैसे आकाश को छू रहा हो.
इतना बड़ा पेड़ उसने पहले कभी न देखा था.
उस समय उसे पता न था पर वह पेड़
संसार का सबसे बड़ा पेड़ था.







दाउद झटपट अपने कैंप लौट आया.
उसने सबको उस विशाल पेड़ के बारे में बताया.
सब उस पर हँसने लगे.
"हमें मूर्ख बना रहे हो!" उन्होंने कहा.
"उतना बड़ा पेड़ नहीं होता."
किसी ने उसकी बात का विश्वास न किया.
उस विशाल पेड़ को देखने के लिए कोई भी
जंगल जाने के लिए तैयार न हुआ.

दाउद ने खनिकों के साथ एक चाल चली.
उसने कुछ दिन प्रतीक्षा की.
फिर एक दिन वह जंगल से
भागा-भागा वापिस आया.
इस बार उसने लोगों से कहा,
"मेरे साथ जल्दी चलो!
मैंने एक बड़ा ग्रिज़ली भालू मारा है.
उसे यहाँ लाने में मेरी मदद करो!"

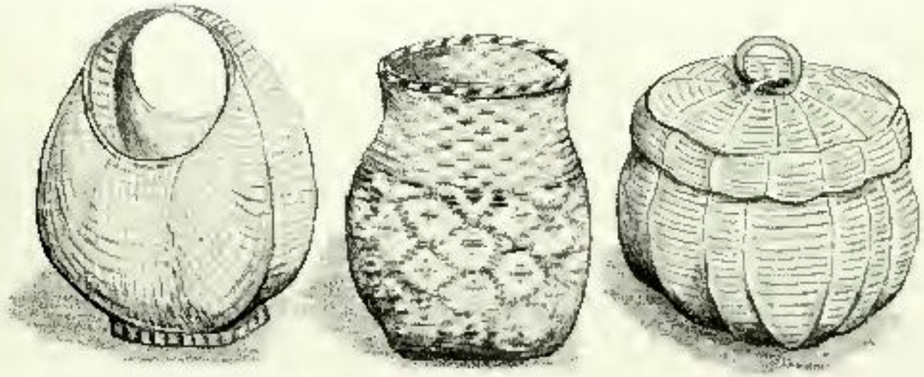
उस बड़े ग्रिज़ली भालू को देखने के लिए
सब उसके पीछे-पीछे भागे.
दाउद उन्हें जंगल की ओर ले गया.
“भालू कहाँ पर है?” लोगों ने पूछा.
“हम शीघ्र ही उसे देखेंगे,” दाउद ने कहा.
तभी सबने वहाँ विशाल सिकोया का पेड़ देखा.
सब आश्चर्य से उस पेड़ को देखते रह गए.
“देखो,” दाउद ने कहा.
“कोई भालू नहीं है.
लेकिन यहाँ सच में एक विशाल पेड़ है.”







इन विशाल पेड़ों का नाम सिकोया नाम के
एक प्रसिद्ध चैरह्कि इंडियन के
नाम पर रखा गया था.
सिर्फ Sequoya के अक्षरों को थोड़ा बदल कर
Sequoia कर दिया गया था.
सिकोया चैरह्कि वर्णमाला का आविष्कार
करने के लिए प्रसिद्ध है.
उसने विशाल पेड़ कभी न देखे थे.
लेकिन उसके सम्मान में सियारा के
विशाल पेड़ों का नाम उसके नाम पर रखा गया था.

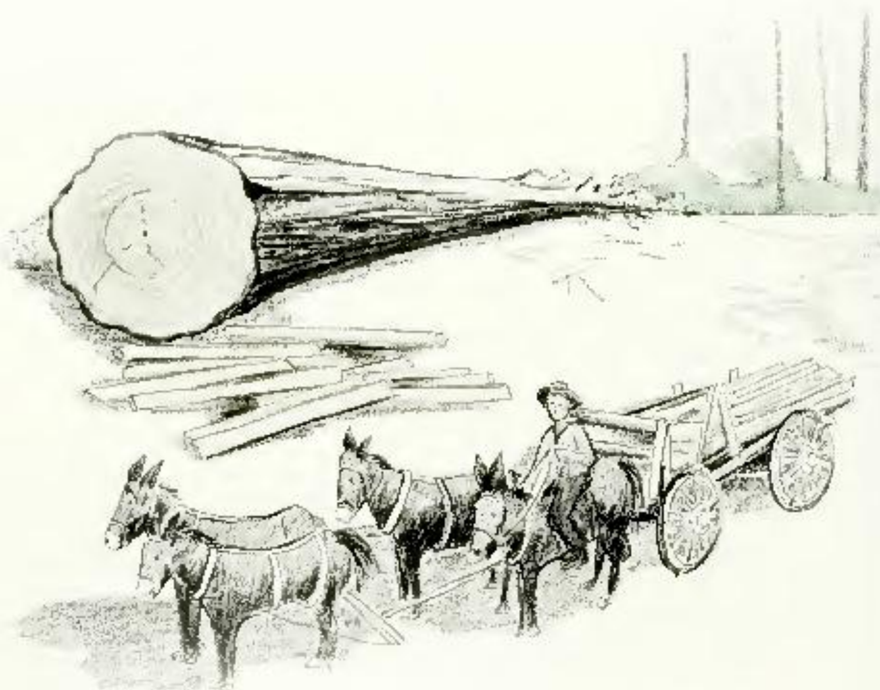




शीघ्र ही कई लोग इन विशाल पेड़ों को
देखने के लिए आने लगे.
एक अखबार के संवाददाता ने
इन पेड़ो पर एक लेख लिखा.
सारी दुनिया को भी इन विशाल पेड़ों के बारे में
जल्दी ही जानकारी मिल गई.

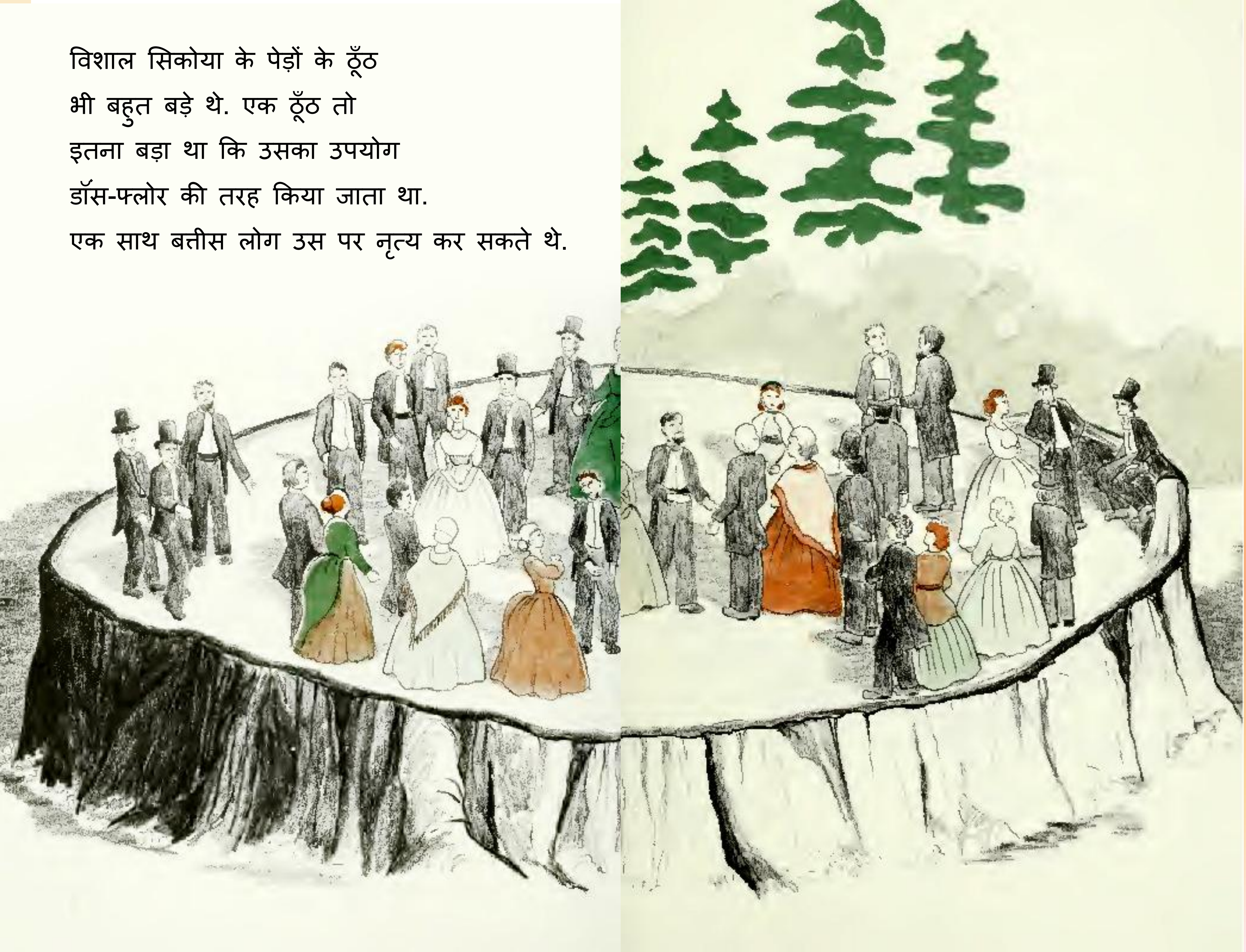


लकड़हारे इन पेड़ों को काटने के लिए आए.
पर्यटक पेड़ों को देखने के लिए आए.
वैज्ञानिक उनका अध्ययन करने के लिए आए.
हर कोई विशाल सिकोया के पेड़ों के बारे में
जानकारी पाना चाहता था.
वह कितने पुराने थे?
वह इतने विशाल कैसे हो जाते थे?

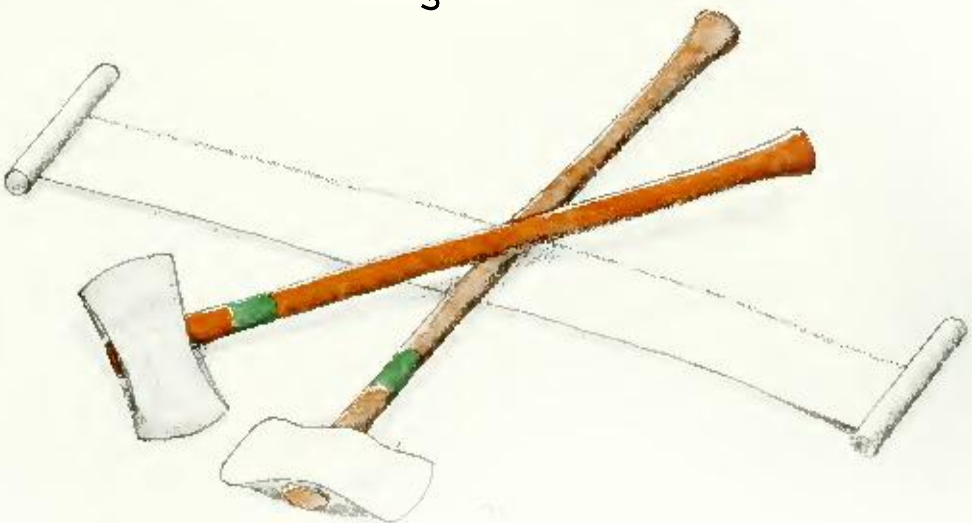


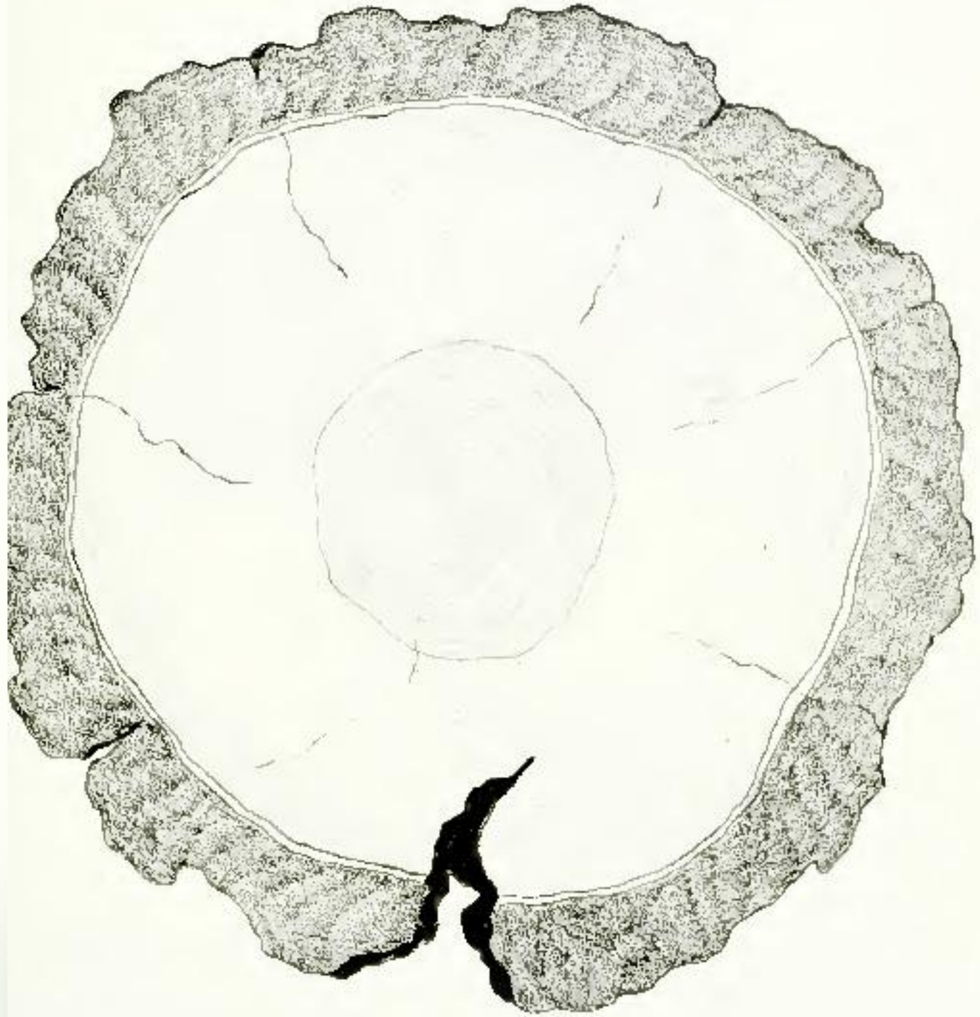


विशाल सिकोया के पेड़ों के ठूँठ भी बहुत बड़े थे. एक ठूँठ तो इतना बड़ा था कि उसका उपयोग डॉस-फ्लोर की तरह किया जाता था. एक साथ बत्तीस लोग उस पर नृत्य कर सकते थे.



हर ठूंठ पर कई चक्र थे.
एक पेड़ पर हर वर्ष दो चक्र बनते हैं,
वसंत में हल्के रंग का और गर्मियों में गाढ़े रंग का.
जिस वर्ष मौसम अच्छा रहता है,
यह चक्र चौड़े होते हैं.
जिस वर्ष मौसम प्रतिकूल होता है
चक्र पतले होते हैं.
लकड़हारों ने हर ठूंठ पर
इन चक्रों की गिनती की.
इस तरह वह जान गए कि पेड़ कितने पुराने थे.
एक पेड़ पर इन चक्रों के 3200 जोड़े थे.
वह पेड़ 3200 वर्ष पुराना था.







हर विशाल सिकोया एक छोटे से बीज से उगता है.
बीज एक पाइन कोन (Pine Cone) के अंदर बड़ा होता है.
पकने पर बीज ज़मीन पर गिर जाता है.
बारिश इसे गीला करती है.
सूर्य इसे गर्म करता है.
फिर यह अँकुरित होता है.

आरंभ में यह छोटा सा पौधा होता है.
हर साल यह नन्हा पौधा बड़ा होता है.
अगर मौसम अच्छा हो और
इसके आसपास अधिक पौधे न हों तो
हर वर्ष यह कई इंच लंबा हो जाता है.

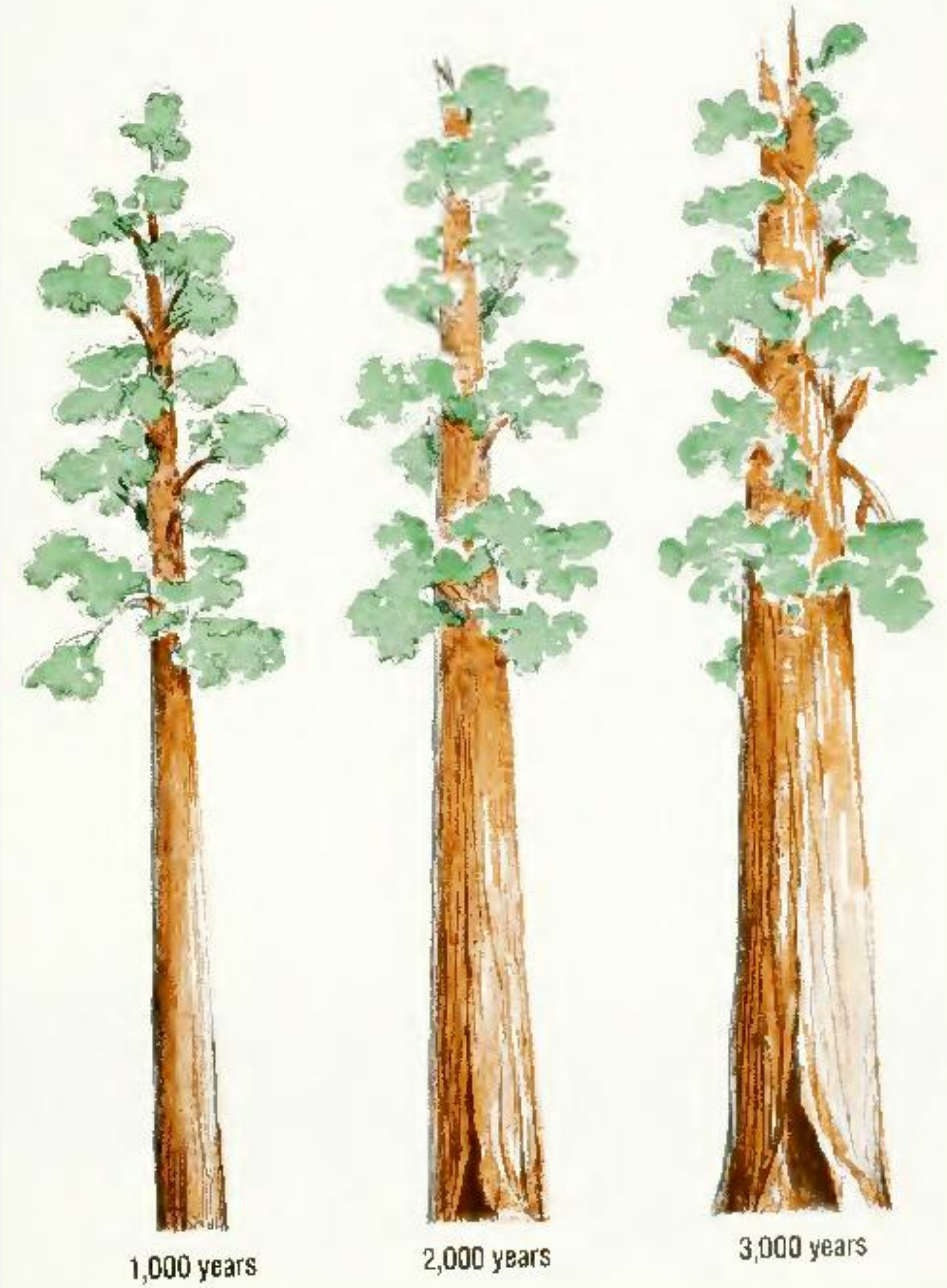


दो हफ्ते पुराना अंकुर

शुरु में यह एक देवदार के पेड़ जैसा लगता है.
जब इसकी आयु लगभग पचहतर वर्ष होती है
तब यह सौ फुट से भी अधिक ऊँचा हो जाता है.
फिर तने के निचले भाग से पत्ते झरने लगते हैं.
ऊपरी भाग में विशाल बाहों के समान
टहनियां फैल जाती हैं.
इसकी छाल गहरे लाल रंग की हो जाती है.
अब यह विशाल सिकोया जैसा दिखने लगता है.



5 साल 25 साल 75 साल



1000 साल 2000 साल 3000 साल

विशाल सिकोया अन्य पौधों जैसा ही होता है.
बढ़ने के लिए इसे भी धूप, बारिश और
मिट्टी की ज़रुरत होती है.
लेकिन इसे एक और चीज़ की भी ज़रुरत होती है:
आग की.
जंगल की आग भयानक होती है.
लेकिन कभी-कभी यह आग सहायक भी होती है.
विशाल सिकोया के पेड़
जंगल की आग से क्षतिग्रस्त नहीं होते.
उनकी छाल मोटी होती है और
पेड़ का आग से सुरक्षित रखती है.
आग से जलने के कुछ चिन्ह
छाल पर रह जाते हैं
लेकिन पेड़ जलता नहीं है.





आग कई प्रकार से विशाल सिकोया
पेड़ों की मदद करती है.
आग सिकोया के बीजों के लिए
ज़मीन तैयार करती है.
अंकुरित होने के लिए बीज
खाली ज़मीन पर गिरने चाहिए.
कई बार ज़मीन पर
बहुत से पत्ते और टहनियाँ गिरी होती हैं.
इन पर गिर कर बीज मिट्टी में
पहुँचने से पहले ही खो जाते हैं.
आग ज़मीन पर पड़े पत्तों और
टहनियों को जला देती है.



आग बीजों को कोन (Cone) से बाहर निकलने में भी मदद करती है.
बीज कोन के अंदर
मज़बूती से बंद होता है.
जंगल की आग हवा को
गर्म कर देती है और
गर्म हवा कोन को सुखा देती है.
वह खुल जाते हैं और
बीज नीचे उस ज़मीन पर
गिर जाते हैं जिसे आग ने
तैयार किया होता है.
डग्लस गिलहरियाँ भी बीजों को
ज़मीन में रोपती हैं.
गिलहरियाँ विशाल सिकोया के
कोन तोड़ कर खाती हैं और उनके बीज
यहाँ-वहाँ गिराती जाती हैं.





जंगल की आग ज़मीन में
खनिजों की मात्रा भी बढ़ा देती है.
पौधों को बड़ा होने के लिए खनिजों की
आवश्यकता होती है. यह खनिज राख में होते हैं.
बारिश इन खनिजों को मिट्टी के
अंदर ले जाती है.

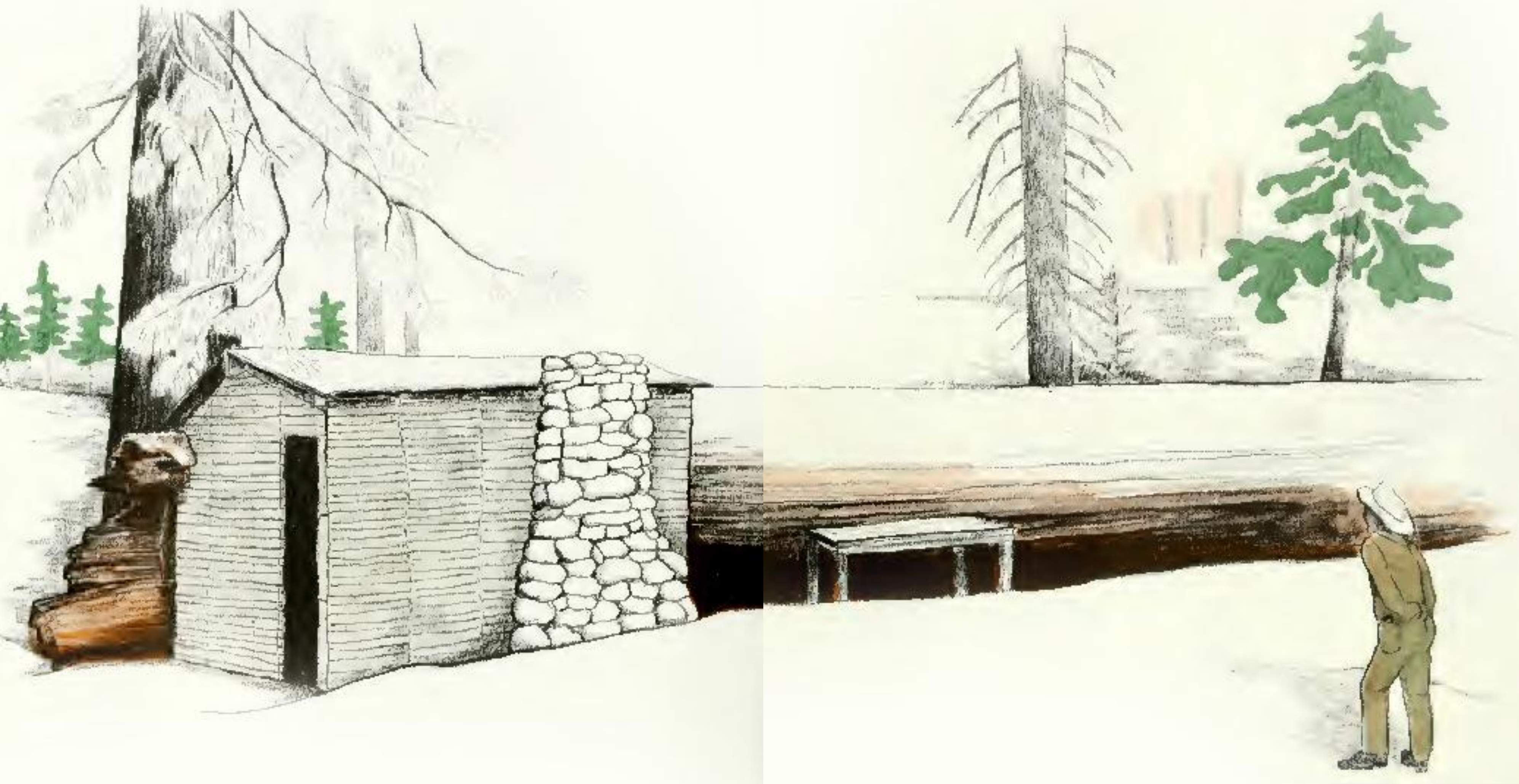


आग सिकोया पेड़ों के आसपास उग रहे
अन्य पेड़-पौधों को जला कर हटा देती है.
आग सिकोया के छोटे पेड़ों को भी जला देती है.
बीमार और बूढ़े पेड़ों को भी मिटा देती है.
इस तरह बड़े पेड़ों को
और बड़ा होने के लिए जगह
मिल जाती है.

एक सिकोया के पेड़ के तने को
बीच से काट कर एक सुरंग बनाई गई थी.
वह पेड़ इतना विशाल था कि
उसके बीच से कार भी जा सकती थी.
फिर 1969 की सर्दियों में एक रात
वह सुरंग वाला पेड़ गिर गया.
विशाल सिकोया साधारणतया
न बीमार होते हैं न मरते हैं.
आमतौर पर वह तेज़ आँधी या
तूफान में ही गिरते हैं.
कुछ पेड़ों की जड़ें इतनी मज़बूत नहीं होती
कि उनका भार संभाल पाएं.

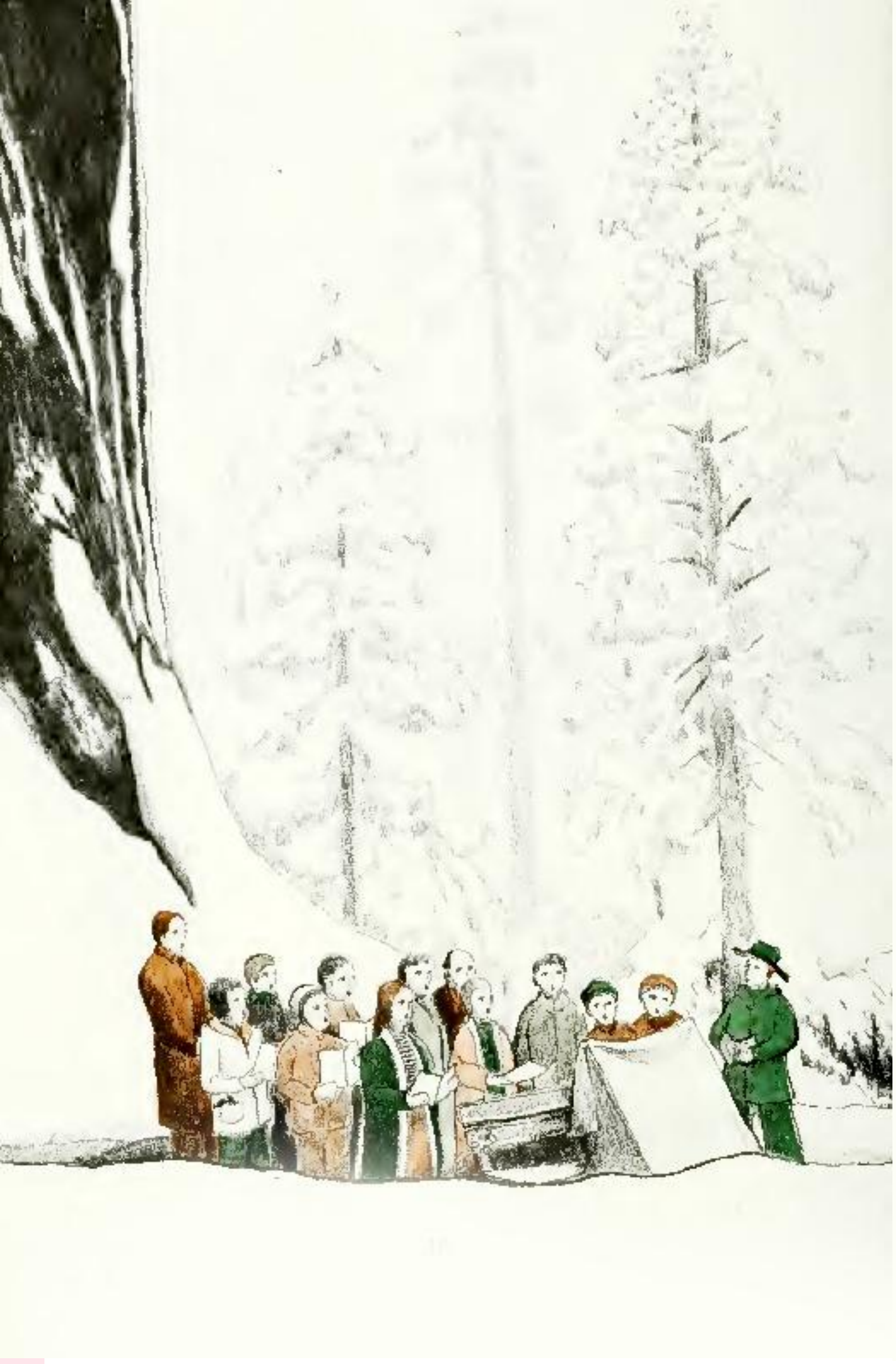






हेल थार्प नामक एक आदमी ने
एक गिरे हुए विशाल सिकोया पेड़ के
खोखले तने में अपनी घर
बना लिया था.

उस पेड़ के अंदर बना कमरा 56 फुट लंबा था.
कमरा एक ओर आठ फुट ऊँचा था
और दूसरी ओर चार फुट ऊँचा.



लकड़हारे अब इन बड़े पेड़ों को नहीं काटते.
इन्हें सुरक्षित प्रजाति घोषित कर दिया गया है.
अब हर कोई इन्हें देखकर आनंद उठा सकता है.
हर वर्ष हज़ारों लोग इन पेड़ों को देखने आते हैं.
ग्रांट के झुरमुट में लगा
जनरल ग्रांट सिकोया पेड़
अमरीका का क्रिसमस पेड़ है.
हर वर्ष कई लोग इस पेड़ के नीचे
क्रिसमस मनाने आते हैं.
विशाल सिकोया एक खास पेड़ है.
यह बहुत ऊँचा होता है.
यह बहुत सुंदर है.
यह इस विश्व में सबसे बड़ा प्राणी है.

